# धनवान
# तो बनना ही चाहिए

**आपका यह निर्णय ही आपको धनवान बना सकता है।**

**डॉ. जितेन्द्र अढ़िया, एम.डी. - लाइफ कोच**
**दीपक धाबलिया - वेल्थ कोच**

RUDRA
PUBLICATION
...publishing positivity...

25/B, Govt. Society, B/h, Municipal Market.
Off. C.G. Road, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.
Ph. : 079-26447393 • Mobile : 098259 25947
email : rudrapublication1@gmail.com
www.rudrapublication.com
Buy online www.clickabooks.com

**For Home Delivery : Mobile : +91-99241 43847**

# धनवान तो बनना ही चाहिए

डॉ. जितेन्द्र अढ़िया और दीपक धाबलिया

Copyright @ Dr. Jeetendra Adhia

All Rights reserved. No Part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of the copyright owner.

1st Edition : 27 June, 2013

**₹ 130/-**

: Proof Readers :
Gauriben Bharad
Kailash Khatri
Paresh Parmar
Prof. Dinesh V. Choumal

: Design & Layout :
Manu Patel
9898390057

: Printing :
Rudra Publication

: Publisher :
Adhia International
Ahmedabad
www.mindtraininginstitute.net

# स-स्नेह भेंट

.....

सृष्टि के जन्महार ने मानव के जन्म के साथ उसमें अनेकानेक इच्छाएँ रखी हैं, उनमें से महत्त्व की और प्रबल इच्छा रखी है, धनवान बनने की। आपकी भी दरअसल इच्छा होगी ही कि मैं भी धनवान बनूँ।

आपकी इस प्रबल इच्छा को सिद्ध करने का मार्गदर्शन इस किताब में मिलेगा, इसी श्रद्धा और प्रार्थना के साथ यह पुस्तक आपको भेंट कर रहा हूँ।

(जरूर पढ़िएगा)

हस्ताक्षर .....

दिनांक .....

स्थल .....

# ऋण स्वीकार

इस पुस्तक को सदेह साकार करने में अनेक लोगों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग दिया है उनके हम कृतज्ञ हैं।

श्रीमती रूपल शाह और आत्मीय बहन अंजली साहू जिन्होंने दिन-रात दिलोज़ान से हर शब्द को साकार करने में मेहनत की है। श्री राजेश सींगन और पीनल ठक्कर जिन्होंने धनवानों के बारे में जानकारी एकत्र करके उचित योगदान दिया है।

श्रीमती गौरीबहन बराड, श्री कैलाश खत्री, प्रो. दिनेश वी. चौमल और श्री परेश परमार जिन्होंने इस किताब कि भाषा शुद्धि के लिए योगदान दिया।

हमारे दोनों परिवारों के सभी सदस्य, भावना, नेहा, स्नेहा, जिज्ञा, जाह्नवी, प्रिया, जिग्नेश, आरती, साक्षी और रूपल जिन्होंने प्रेरक प्यारभरा परिसर दिया, ताकि हम दिलोजान से यह कार्य एक यज्ञ की तरह पूर्ण कर सके।

**डॉ. जितेन्द्र अढ़िया ... दीपक धाबलिया**

## अर्पण

मेरे परम पूज्य पिताजी
श्री जयंतीलाल अमरशी धाबलिया और
वत्सल मातृश्री पू. रमाबहन,
जिन्होंने जीवन के हर मोड़ पर
मुझे धनवान बनने के लिए
प्रोत्साहित किया।

– दीपक धाबलिया

# डॉ. जितेन्द्र अढ़िया का परिचय

गुजरात राज्य के राजकोट जिले में वांकानेर शहर है। वहां वीशीपरा नाम के पछात क्षेत्र में गरीब माँ–बाप के परिवार में, 1951 में, डॉ. जितेन्द्र अढ़िया का जन्म हुआ। जीवन का प्रारंभ अति कष्टदायक और संघर्षमय रहा। उनके पिताजी वांकानेर स्टेशन में रेलवे के डिब्बों में फ्रूट, पीपरमेंट और चोकलेट बेचते थे। बाद में चप्पल की लारी, सब्जी की लारी चलाने जैसे काम करते हुए परिवार का गुजारा करते थे।

वांकानेर में तालुका शाला नं. 2 में कक्षा 6 तक गुजराती माध्यम में अध्ययन किया फिर राजकोट आए और इन्टर साइन्स तक गुजराती माध्यम में पढ़ाई की। सन् 1969 में मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया।

वर्धा सेवाग्राम मेडिकल कॉलेज से एम.बी.बी.एस. की डिग्री सन् 1975 में और मुंबई विश्वविद्यालय से एम.डी. की गौरवशाली डिग्री सन् 1982 में हासिल की। सन् 1985 में साउदी अरेबिया की अस्पताल में उच्च तनख्वाह से मेडिकल डॉक्टर के रूप में केरीयर का प्रारंभ किया। धनवान बनने की शुरूआत साउदी अरेबिया से ही हुई। सन् 1991 में फिर भारत लौटे। बाद में अहमदाबाद म्युनिसिपल मेडिकल कॉलेज में व्याख्याता बने।

मेडिकल कॉलेज की सेवा के दौरान उन्होंने 'मन' के विषय पर पढ़ना – पढ़ाना और चिंतन करना शुरू कर दिया था। जिससे उनकी माइन्ड ट्रेनर के रूप में केरीयर की शुरूआत हुई। देख़ते ही देखते उनकी विविध विषय पर अनेक किताबें और सी.डी. प्रगट होने लगी जिन्हें अपूर्व आदर और सन्मान मिला। उन्होंने इस विषय में विश्व के करीब 30 से अधिक राष्ट्रों में मन की शक्ति के बारे में सफल कार्यक्रमों का आयोजन किया।

ज्यादा धनवान बनने का उनका यह दूसरा उपक्रम था। आज उनके पास दुनिया की हर सुख–सुविधाएँ हैं। आज उनकी गिनती करोड़पतियों में होती है और अब आपके साथ अरबपति बनने कि उनकी यात्रा शुरू हो चुकी है।

# श्री दीपक धाबलिया का परिचय

माँ सरस्वती के मानसरोवर के राजहंस ... यानि कि बहुमुखी व्यक्तित्व के धनीश्री दीपक धाबलिया।

दीपक का जन्म जामनगर में 1970 में हुआ। उनका बचपन मुंबई में छोटी सी चाल में बीता। दीपक बचपन में बहुत शर्मीलें और अंतर्मुखी थे। बचपन की गरीबी और दुखों का सामना करके आज वे वैल्थ कोच के रूप में उभर आए हैं। जिज्ञासा, कठोर परिश्रम, दृढ़ मनोबल और कुछ नया करने की तमन्ना ने इन्हें इस मुकाम पर पहुँचाया है।

जैसे विशेषज्ञ धन्वंतरी दर्दी की नब्ज पकड़ते हैं और परखते हैं ठीक उसी तरह दीपक व्यक्ति को परखते हैं और उनकी व्यथा और वेदना को अपने सकारात्मक अभिगम से दूर करने का सुझाव देते हैं। विषाद को प्रसाद में रूपांतर करने की कला विधाता ने उन्हें दी हैं। ''He converts cry into creation.''

जब वे किसी से मिलते हैं, तब कोई पुस्तिका या सी.डी. देकर उस व्यक्ति के सुषुप्त स्वप्नों को जगा कर उस दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करते हैं।

दीपक ''DD's Real Wealth Maximizer Pvt. Ltd.'' नामक कंपनी चलाते हैं। अपने ग्राहक का वर्तमान और भविष्य उन्नत, उज्ज्वल और ऊँर्ध्वगामी बने ऐसा आयोजन करते हैं। जो व्यक्ति उनसे जुड़ते हैं उनको आयोजन का स्पष्ट नक्शा देकर उनके जीवन सुखी, समृद्ध, स्वावलंबी, सुगंधित और संवादी बनाने के लिए वे नित्य चिंतन करते हैं। सकारात्मक विचारों से वे अपने ग्राहकों की समृद्धि और विकास का ग्राफ नित्य ऊंचा उठे ऐसी प्रेरणा का पीयूष पिलाते हैं।

मुंबई के लब्धप्रतिष्ठित और लोकप्रिय मैनेजमेन्ट गुरू श्री संतोष नायर के वे मानसपुत्र हैं। साथ ही साथ मैनेजमेन्ट और माइन्ड पावर में 'माइल स्टोन' जैसे प्रतिभा संपन्न डॉ. जितेन्द्र अढ़िया के साथ वे मैनेजमेन्ट, माइन्ड पॉवर और व्यक्तित्व विकास के यज्ञ में शामिल होकर तालीम देते हैं। अपनी सफलता का यश वे प्रभुकृपा, माता-पिता और अपने गुरूजनों को देते हैं।

# करोड़पति बनने के दो रास्ते हैं।

(1) सोनी टी.वी. द्वारा प्रस्तुत 'कौन बनेगा करोड़पति' कार्यक्रम में जाकर, श्री अमिताभ बच्चन के सामने बैठकर उनके द्वारा पूछे हुए प्रश्नों के सही उत्तर देकर।

या फिर

(2) विश्व के धनवान लोग जिन सिद्धांतों और वैज्ञानिक रास्तों को अपनाकर करोड़पति बने, उन रास्तों को आप समझे ..... उनका मनन करें और अपने जीवन में उनका प्रयोग करें।

# यह पुस्तक क्यों ?

हम दोनों लेखकों में बहुत साम्य है। हम दोनों का जन्म गुजरात के एक सामान्य गरीब परिवार में हुआ। हमने धनवान बनने की अदम्य तमन्ना के साथ हमारे जीवन की शुरूआत की।

हमने मुंबई को हमारी कर्मभूमि बनाया। हम दोनों ने मुंबई विश्वविद्यालय से उपाधि हासिल की और साथ-साथ सुंदर जीवन जीने के तौर-तरीके मुंबई में रहकर सीखे। दोनों ने एक बात जान ली कि सुबह उठने से रात में सोने तक सारे काम ऐसे हैं, जो बिना पैसे के नहीं होते। आध्यात्मिक कामों के लिए भी पैसे की जरूरत होती ही है।

किस्मत से दोनों को मुंबई की जीवन-यात्रा के दौरान हमें बहुत सारे धनवान दोस्त मिले और उन मित्रों के संपर्क और साथ रहने से हमारे भीतर धनवान बनने की प्रबल इच्छा प्रकट हुई और धनवान बनने के मूलभूत सिद्धांतों का ज्ञान भी मिला। धनवान बनने के फायदे और नुकसान, हमने बहुत करीब से जाने और पहचाने।

बाद में हमने धनवान बनने के लिए अपनी यात्रा और तप शुरू किया। नित्य नई-नई किताबें पढ़ना और उन पर चिंतन-मनन करना, देश-विदेश के वर्कशॉप में हम भाग लेना शुरू किया। प्रभु की असीम कृपा, दृढ़ मनोबल और कठोर परिश्रम से आज हम अपनी कल्पना से भी अधिक धनवान बन पाये हैं।

जीवन में एक मुकाम आया कि विश्व शक्ति के विराट आयोजन से हम दोनों गुरू-शिष्य के रूप में मिले और दोनों सहज मित्र बन गये। मैत्री की इस मनभावन यात्रा में एक विचार आया कि धनवान बनने के लिए हमें जो ज्ञान और अनुभव का अमृत मिला है उसे पुस्तक के द्वारा और वर्कशॉप के द्वारा लोगों तक पहुँचाना चाहिए।

लोगों की हमारे पाससे इस विषय पर नया जानने की और समझने की जिज्ञासा बढ़ती गई। जिसके फलस्वरूप इस पुस्तक और वर्कशॉप का आयोजन हुआ।

# इस पुस्तक का उपयोग किस तरीके से करें?

यह पुस्तक पांच विभागों में विभाजित की गई है। सभी विभाग का महत्त्व है। प्रथम इस पुस्तक को एक कहानी की तरह पढ़ियेगा ताकि इस पुस्तक से आपका परिचय का सेतु बने। दूसरी बार यह पुस्तक आप पूरी लगन और ध्यान से पढ़िए और जो बातें आपके मन को छू जाए उसे रंगीन पेन से रेखांकित कीजिए।

पुस्तक के दूसरे और तीसरे भाग में आपका धनवान बनने का हौसला बढ़ाने कि कोशिश की है। चौथे भाग में धनवान बनने के मनोवैज्ञानिक और परिणामलक्षी रास्तों का निर्देश किया है। उन रास्तों पर चलने से आप अवश्य समृद्धि के सुवर्ण शिखर प्राप्त कर पाएंगे।

आपकी धनवान बनने की प्रक्रिया के साथ-साथ आपको सुख कैसे मिले उसका भी निर्देश पाँचवे भाग में किया है। पहले यह पुस्तक एक या दो बार पढ़िये मगर जब धनवान होने की प्रक्रिया का प्रारंभ करें तब इसे बार-बार पढ़िए और उन बातों पर चिंतन और मनन करे।

अंग्रेजी में कहावत है, “The best way to learn is to teach.” यानि कि धनवान बनने की विद्या सीखनी है तो इस पुस्तक में से जो बातें सही लगे उसे औरों को सिखायें, जिनको धन की आवश्यकता है मगर वो इस विद्या को नहीं जानते हैं। इस पुस्तक की बातें आत्मसात् करने से आपको नया बल, नई दिशा, नई मंजिल मिलेगी।

# विषय सूची


**I सर्वप्रथम ..... 13**

(1) सही समझ ..... 15

(2) धनवान कौन बन सकता है ..... 17

(3) फोर्ब्स की सूची ..... 18

(4) भारत के दस धनवानों की सूची (फोर्ब्स के अनुसार) ..... 20

**II धनवानों को जानिए ..... 21**

(1) कार्लोस स्लीम हेलु ..... 23

(2) बिल गेट्स ..... 24

(3) वॉरन बफेट ..... 25

(4) लक्ष्मी मित्तल ..... 27

(5) धीरूभाई अंबाणी ..... 28

(6) नारायण मूर्ति ..... 30

(7) प्रेम गणपति ..... 31

(8) सर्गे ब्रीन और लेरी पेईज़ ..... 33

(9) केरी पेकर ..... 35

(10) स्टीव जोब्स ..... 37

(11) टॉम मोनाहन ..... 39

(12) तुलसीभाई तंती ..... 41

(13) दीपचंद गार्ड़ी ..... 42

(14) गोविंदभाई धोलकिया ..... 43

(15) गोविंदभाई काकडिया ..... 44

(16) गौतम अदाणी ..... 45

(17) करसनभाई पटेल ..... 46

(18) सुधीर रूपारेलिया ..... 48
(19) सुभाषचंद्र गोयल ..... 49
(20) सबीर भाटिया ..... 50
(21) रे क्रोक ..... 51
(22) मार्क जुकरबर्ग ..... 52
(23) डॉ. किरण मज़ुमदार ..... 54
(24) अज़ीम प्रेमजी ..... 56

**III धनवान बनने के लाभ, पात्रता, सिद्धांत और रहस्य ..... 59**
1. लोग धनवान क्यों नहीं बनते? ..... 60
2. धनवान बनने के फायदे ..... 70
3. धनवान बनने की पात्रता ..... 72
4. मन की प्रोग्रामिंग ..... 76
5. धनवान बनने के सिद्धांत ..... 80

**IV धनवान कैसे बनोगे? ..... 95**
धनवान बनने के लिये इतना कीजिए ..... 97
ब्लॅन्क विझन बोर्ड ..... 100
दीपक धाबलिया का विझन बोर्ड ..... 101
धन की प्रार्थना ..... 105

**V धनवान बनने के सफर में ..... 113**
1. बैलेन्सिंग कीजिए ..... 114
2. धन के माध्यम से आध्यात्मिकता ..... 116
3. सुखी होने के लिए धन का उपयोग ..... 119

# I

# सर्वप्रथम

"आपका जन्म गरीब घर में हुआ
उसमें आपका कोई दोष नहीं,
मगर आपकी मृत्यु गरीब घर में हो
तो दोष अवश्य आपका ही है ।"

*- वॉरन बफेट*

# 1. सही समझ

बचपन में जब हम गरीबी में जीवन जीते थे तब प्रत्येक कार्य में हम धन की कमी महसूस करते थे। मेले में घूमने जाते थे तो खिलौने लेने के पैसे भी हमारे पास नहीं होते थे। अच्छी स्कूल में पढ़ने के लिए फीस के पैसे भी नहीं थे। पैसों की इस कमी की वजह से पुरानी पुस्तकें खरीदकर पढ़ते थे। पैसों के अभाव से स्कूल के प्रवास में जाने के लिए तो हम सोच भी नहीं सकते थे।

इस तरह अभाव की परिस्थितियों में जब हमारा बचपन बीत रहा था तब हमारे मन में प्रश्न उठते थे कि हम क्यों गरीब हैं और कुछ लोग क्यों धनवान? हम दोनों के परिवार के बुजुर्ग धार्मिक और संतोषी थे, उनको ज्यादा अपेक्षाएँ नहीं थी इस लिए वे कहते थे कि, ''जैसी प्रभु की इच्छा और जैसा हमारा नसीब !'' मगर इन ज़वाबों से हम संतुष्ट नहीं थे। उस समय हमने सब कुछ सह लिया परंतु इन सवालों के ज़वाब जानने की हमारी इच्छा बढ़ती रही।

भीतर की इसी अदम्य इच्छा के कारण हमें इस विषय में अधिक अध्ययन करने की प्रेरणा मिली। गहरे अध्ययन और अनुभव से हमने गरीबी के कारण जाने। साथ-साथ धनवान बनने के नये रास्ते भी मिलते गये। वैज्ञानिक पद्धति से हम दोनों, उन रास्तों पर चल पड़े और धनवान बनते गये। यहाँ तक कि डॉ. जितेन्द्र अढ़िया ने अपने पुत्र चि. निमिष को 12 वीं कक्षा के बाद अमेरिका की एक प्राइवेट युनिवर्सिटी में पीएच.डी. तक की पढ़ाई करवाई।

हम दोनों की गरीबी के कारण जानने की और धनवान बनने के रास्ते सीखने की सफर बहुत लम्बी और कठोर परिश्रम से भरी हुई थी। आप भी इसी तरह, जीवन के किसी मोड़ पर होंगे। यदि आपका हौसला कम हो जाए ... तो आपको चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि हमने हमारी धनवान बनने की सफर में जो भी सीखा-समझा है, उसका सारांश हमने इस पुस्तक में दिया है।

अभ्यास, अनुभव, अवलोकन और चिंतन करके हमने जिन रास्तों को ढूँढ़ा है उन रास्तों पर चल कर आप अपनी धनवान बनने की यात्रा शुरू कर सकेंगे।

धनवान बनने के लिए आपको सिर्फ तीन चीजें करनी हैं ...

(1) धनवान बनने की अदम्य इच्छा अपने भीतर पैदा करें।

(2) इस पुस्तक को बार-बार पढ़ें और उसे समझे।

(3) इस पुस्तक में दिए गये नियम और रास्तों पर संपूर्ण विश्वास करके धनवान बनने की अपनी यात्रा शुरू करें।

# 2. धनवान कौन बन सकता है?

धनवान कौन बन सकता है? इस प्रश्न का उत्तर पाने की इच्छा हमें बचपन से ही थी। अनगिनत ज्ञानी और अनुभवी लोगों से हमने यह प्रश्न पूछा तो सबसे अलग-अलग ज़वाब मिले।

किसी ने कहा कि, कड़ी मेहनत करने से धन मिलता है। तो मन से सहज प्रश्न उठा कि, मजदूर इतनी मेहनत करने के बावज़ूद भी गरीब क्यों है?

किसीने कहा कि बहुत पढ़ाई करने से धनवान बन सकते है। तो प्रश्न उठा कि अनेक अनपढ़ लोग धनवान कैसे बने? तो किसी ने यह अभिप्राय दिया कि कुछ ग्रहों की असर के तले जन्म हो तो ग्रहों का असर तुम्हें धनवान बनाता है। तब एक नया प्रश्न मन में उठा कि श्री धीरूभाई अंबाणी और बिल गेट्स का जिन ग्रहों के असर तले जन्म हुआ उसी समय कई सारे बच्चों ने इस पृथ्वी पर जन्म लिया था तो वे बच्चे क्यों धनवान नहीं बने?

कुछ लोगों का मंतव्य था कि प्रभु की पूजा-अर्चना करने से और माँ लक्ष्मी की आराधना करने से धनवान बना जा सकता है। तो सहज प्रश्न मन में उठा कि महालक्ष्मी मंदिर के सभी पुजारी धनवान क्यों नहीं हैं? फोर्ब्स मैगज़ीन की लिस्ट में जिन धनवानों के नाम हैं उन्होंने क्या धनवान बनने के लिए लक्ष्मीजी का पूजन किया था? कुछ लोगों ने कहा कि, पुण्य करने से और सत्कार्य करने से धनवान बना जा सकता है, फिर प्रश्न उठा कि पापी लोग और गुंडों के पास संपत्ति कैसे आई? कुछ लोगों का कहना था कि धनवान बनने के लिए नसीब की यारी चाहिए, तो फिर यह प्रश्न उठा कि अपना नसीब कैसे बनाया जाये?

इन सब सवालों के असंतुष्ट ज़वाबों के कारण हमें सीधा और संतुष्ट ज़वाब जानने की अदम्य इच्छा हुई। अत्याधिक परिश्रम के बाद हमने गरीबी के कारण और धनवान बनने के सही तरीके जानें। उन रास्तों पर चलते हुए हम दोनों धनवान बने। आपके मन में भी इसी तरह के प्रश्न उठे होंगे और ज़वाब के बाद मन में एक उलझन उठी होगी। आपको भी सही रास्ते जानने की इच्छा होगी इसीलिए आप यह पुस्तक ध्यान से पढ़ रहे हो।

हमें पूरा विश्वास है कि यह पुस्तक पढ़ने के बाद आपको संतोषकारक ज़वाब मिल ही जायेंगे और आपने धनवान बनने का शुभारंभ कर भी दिया होगा।

# 3. फोर्ब्स की सूची

आप में से अधिकांश लोगों को पता होगा कि अमेरिका की 'फोर्ब्स मैगज़ीन' धनवान लोगों की सूची प्रकट करती है। उनकी वेबसाइट के मुताबिक विश्व के सर्वप्रथम दस धनवान व्यक्तियों के नाम इस तरह हैं:

**मार्च 2011**

| | नाम | उम्र | व्यवसाय | देश | मिलकत डॉलर्स |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कार्लोस स्लीम हेलु | 73 | टेलिकोम | मेक्सिको | 74 अरब डॉलर |
| 2. | बिल गेट्स | 56 | माइक्रोसोफ्ट | अमेरिका | 56 अरब डॉलर |
| 3. | वॉरन बफेट | 81 | बर्कशायर हेथवे | अमेरिका | 50 अरब डॉलर |
| 4. | बर्नार्ड अरनोल्ट | 62 | LVMH | फ्रान्स | 41 अरब डॉलर |
| 5. | लेरी एलिसन | 67 | सोफ्टवेर-ओरेकल | अमेरिका | 39.5 अरब डॉलर |
| 6. | लक्ष्मी मित्तल | 61 | स्टील | भारत | 31.1 अरब डॉलर |
| 7. | अमान्सीओ ओर्टेगा | 75 | फेशन इन्डस्ट्री-झारा | स्पेन | 31 अरब डॉलर |
| 8. | इक बरीस्ता | 55 | माइनिंग इन्डस्ट्री | ब्राझील | 30 अरब डॉलर |
| 9. | मुकेश अंबाणी | 54 | रीलायन्स इन्डस्ट्रीझ | भारत | 27 अरब डॉलर |
| 10. | क्रीस्टी वाल्टन | 57 | वॉलमार्ट | अमेरिका | 26.5 अरब डॉलर |

फोर्ब्स मैगज़ीन ने विश्व के 100 धनवानों की सूची बनायी है जिसमें 6 व्यक्ति विशेष भारतीय हैं जिनके नाम निम्नलिखित हैं :

| क्रमांक | नाम | विश्व में क्रमांक |
|---|---|---|
| 1 | लक्ष्मी मित्तल | 06 |
| 2 | मुकेश अंबाणी | 09 |
| 3 | अज़ीम प्रेमजी | 36 |
| 4 | सावित्री जिंदाल | 56 |
| 5 | गौतम अदाणी | 81 |
| 6 | कुमार बिरला | 97 |

समग्र विश्व में भारत देश गरीब माना जाता है, फिर भी भारत देश के 6 व्यक्ति विश्व के 100 धनिकों में से हैं। इसका निष्कर्ष यह है कि गरीब देश में जन्म लेने के बावज़ूद अगर कोई इन्सान सही दिशा में दिल से मेहनत करे तो धनवान बन सकता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि ब्रिटेन देश जिसके बारे में कहा जाता था कि उनका सूर्य कभी अस्त नहीं होता है, उस देश का एक भी नागरिक 100 धनवानों की सूची में शामिल नहीं है।

जो लोग अपने आत्मबल और मेहनत से धनवान बने हैं और दुनिया को धनवान बनने के रास्ते दिखाए हैं, उन धनवानों को अगले पन्नो में पहचानिए और उनके जैसे धनवान बनने का आप दृढ़ संकल्प करे।

---

**"रोज सुबह उठकर**
**फोर्ब्स की धनवानों की लिस्ट चेक करें।**
**यदि आपका नाम वहाँ पर ना हो तो**
**तुरंत ही काम पर लग जाइए।"**

---

# भारत के दस धनवानों की सूची

फोर्ब्स मैगज़ीन के अनुसार भारत के सबसे अधिक दस धनवानों के नाम इस तरह हैं।

**मार्च 2011**

| | नाम | उम्र | व्यवसाय | शहर |
|---|---|---|---|---|
| 1. | मुकेश अंबाणी | 54 | पेट्रोलियम ओयल गैस | मुंबई |
| 2. | लक्ष्मी मित्तल | 61 | स्टील | लंदन |
| 3. | अज़ीम प्रेमजी | 66 | कम्प्यूटर हार्डवेयर | बेंगलोर |
| 4. | शशि ऍन्ड रवि रुईया | 62 | स्टील, पावर, शिपिंग ओयल, गैस | मुंबई, लंदन |
| 5. | सावित्री जिंदाल ऍन्ड फॅमिली | 61 | स्टील | हिसार/दिल्ली |
| 6. | सुनील मित्तल | 54 | टेलिकोम | दिल्ली |
| 7. | गौतम अदाणी | 54 | पावर, ओयल, गैस | अहमदाबाद |
| 8. | कुमार बिरला | 44 | सीमेंट | मुंबई |
| 9. | पलुनजी मिस्त्री | 82 | कन्स्ट्रक्शन | मुंबई |
| 10. | अदी गोदरेज | 69 | FMCG, रीयल एस्टेट | मुंबई |